② निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु उपयुक्त अनुभवों का चयन :-

अधिगम अनुभवों से तत्पर्य उन अधिगम क्रियाकलापों से है जो विद्यार्थी को विषयोन्मुख बनाते हैं और अंततः उन क्रिया कलापों की अवधारणा को विकसित करते हैं। सारांशतः "अधिगम अनुभव शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए आयोजित क्रियाकलापों प्रयोग में लाई जाने वाली शिक्षण विधियों और शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को पूर्ण रूप में निर्देशित करते हैं"।

शैक्षिक क्रिया कलाप शिक्षण विधियों से ही पैदा होते हैं। शिक्षण विधियां और अधिगम क्रियाकलाप दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

मानव अनुभव द्वारा सीखता है, परन्तु सभी कुछ प्रत्यक्ष अनुभव द्वारा नहीं सीखता है। वह अनेक बातें दूसरों के अनुभवों से भी सीखता है तथा उसके अधिगम का एक बड़ा भाग दूसरों के अनुभव के आधार पर प्राप्त होता है। प्रत्यक्ष एवं दूसरों के अनुभव एक-दूसरे के पूरक-प्रतिपूरक के रूप में कार्य करते हैं तथा मानव सभ्यता का सम्पूर्ण विकास ही इसी प्रक्रिया पर आधारित है।

अधिगम - अनुभवों के चयन के सम्बन्ध में दो सिद्धान्त विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं-

① एक ही अधिगम अनुभव से विभिन्न प्रकार के व्यवहार परिवर्तन किये जा सकते हैं, साथ ही भिन्न-भिन्न प्रकार के व्यवहार-परिवर्तनों के लिए भिन्न-भिन्न प्रकार के अधिगम-अनुभवों की आवश्यकता हो सकती है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, तारा, ...

(2) अधिकांश स्थितियों में भावात्मक पक्ष, ज्ञानात्मक पक्ष से नियन्त्रित होता है, अर्थात् किसी विषय के सम्बन्ध में भावनाँए सक्रिय हो सकती हैं जब उसे समझने के लिए आवश्यक ज्ञान तथा कौशल प्राप्त कर लिया गया हो।

अधिगम- अनुभवों के चयन के मानदण्ड-
कुछ विद्वानो ने पाठ्यक्रम निर्माताओं एवं शिक्षको की सहायता के लिए अधिगम अनुभवों के चयन के मानदण्ड निर्धारित किये है। जिनमें प्रमुख है बर्टन एवं व्हीलर द्वारा निर्धारित मानदण्ड।

बर्टन द्वारा प्रस्तावित मानदण्ड-
बर्टन द्वारा प्रस्तावित मानदण्ड के अनुसार अधिगम-अनुभवों को निम्नलिखित छः शर्तें पूरी करनी चाहिए-

(1) वह विद्यार्थियो की दृष्टि में उद्देश्य प्राप्ति के लिए प्रयुक्त किये जाने के योग्य हो।
(2) शिक्षको की दृष्टि में, वह वांछनीय समाजीक उद्देश्यो की ओर ले जाने वाला हो
(3) वह वर्ग के परिपक्वता स्तर के लिए उपयुक्त हो अर्थात वर्ग के लिए चुनौतिपूर्ण हो, प्राप्य हो नवीन अधिगम की ओर ले जाने वला हो।
(4) उसमें विद्यार्थियों के सन्तुलित विकास के लिए विभिन्न प्रकार की वैयक्ति तथा वर्गगत क्रियाओ का समावेश हो।
(5) उसका आयोजन विद्यालय तथा समाज में उपलब्ध साधन-सुविधाओं के द्वारा किया जाना सम्भव हो।

मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्था
... ताखा, औरैया

classmate
Date ________
Page ________

(6) उसमें व्यक्तिगत भिन्नताओं की दृष्टि से इतनी विविधता हो कि वर्ग के सभी सदस्यों को उपयुक्त प्रवृत्तियाँ सुलभ हो सकें।

व्हीलर द्वारा प्रस्तावित मान दण्ड -

अधिगम - अनुभवों के चयन के सम्बन्ध में व्हीलर द्वारा प्रस्तावित मानदण्ड अधिक व्यापक एवं वैज्ञानिक हैं। इसके सात बिन्दु हैं जो अधिगम के सिद्धान्तो के आधार पर निर्धारित किये गये हैं।

(1) वैधता
(2) व्यापकता
(3) विविधता
(4) उपयुक्तता
(5) प्रतिमान
(6) जीवन से तादात्म्य
(7) विद्यार्थियों का सहभागीत्व

अधिगम अनुभवों का वर्गीकरण -

कुछ विद्वानो ने अधिगम - क्रियाओं की ऐसी सूची बनाने का प्रयास किया है जिन्हें विद्यालयों द्वारा अपने विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया जा सकता है मौसमैन ने इस क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण कार्य किया है। इन्होंने विद्यालयों के उपयुक्त (प्रवृत्तियों) की एक सूची प्रस्तावित की है। जो निम्नलिखित इस प्रकार है।

वर्ग - 1 — खोज करना, अनुमान करना, पता लगाना प्रयोग करना, सर्वेक्षण करना, विचार करना, अध्ययन करना, सिद्ध करना।

पु. प्र...
...मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, सागरा, बलिया

वर्ग-2 — उपाय करना, योजना बनाना, प्रस्ताव करना, निर्माण करना, कल्पना करना, आयोजन करना, व्यवस्थित करना, चिन्तन करना, प्रारम्भ करना।

वर्ग-3 — ~~सहयोग~~ सहयोग करना, सुझाव देना, सहायता करना, चर्चा करना, खण्डन करना, विवरण देना, सहभागी बनाना, हिस्सा बाँटना, सम्मिलित होना।

वर्ग-4 — जाँचना, मूल्यांकन करना, निष्कर्ष निकालना, सारांश प्रस्तुत करना, संक्षिप्तीकरण करना।

वर्ग-5 — उपयोग करना, आनन्द प्राप्त करना, स्वीकार करना, प्राप्त करना, प्रभावित होना निर्भर करना, सुनना।

वर्ग-6 — खेलना, गीत गाना, नृत्य करना

वर्ग-7 — लेखा-जोखा रखना, चित्रण करना, लिखना प्रकट करना, चित्रांकन करना, मूर्ति निर्माण करना।

वर्ग-8 — दुहराना, याद करके सुनाना, अभ्यास करना।

वर्ग-9 — आदेश का पालन करना, स्वीकार करना, अनुसरण करना, पालन करना विनती करना, अनुरोध करना, विचारार्थ प्रस्तुत करना।

वर्ग-10 — आदेश, देना, नियन्त्रण करना, आज्ञा देना, बाध्य करना।

प्राचार्य
तारा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, तारा, बलिया

डीडस्चि ने अधिगम - अनुभवों से सम्बन्धित 177 प्रवृत्तियों को सात वर्गों में प्रस्तुत किया है —

1. दृश्य — 13 प्रवृत्तियाँ
2. मौखिक — ५३ प्रवृत्तियाँ
3. श्रवण — 11 प्रवृत्तियाँ
4. लेखन — २२ प्रवृत्तियाँ
5. चित्रण — 8 प्रवृत्तियाँ
6. गतिशीलता — ५७ प्रवृत्तियाँ
7. मानसिक — २3 प्रवृत्तियाँ

प्रबन्धक
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया